SET – 3

Series : SSO/1/C

कोड नं.
Code No. 29/1/3

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घंटे]* *[अधिकतम अंक : **100***

*Time allowed : **3** hours]* *[Maximum Marks : **100***

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

इतिहास से विरासत में आपको भारतीय संगीत जैसी अमूल्य निधि मिली है । अन्य देशों के संगीतों की अपेक्षा इसमें जो विशिष्टता है, वह उन मान्यताओं के कारण है जो संगीत के सम्बन्ध में हमारे पूर्वजों की थी । भारत में संगीत क्षणिक आमोद-प्रमोद या अतृप्त तृष्णा की वस्तु न होकर, समस्त ब्रह्माण्ड से ऐक्य का आभास है, आनंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना है और मानव को ब्रह्म तक ले जाने वाला मार्ग है । संगीत के इस स्वभाव और ध्येय को हमारे देश के लोगों ने हमारी सभ्यता के प्रारंभ में ही पहचान लिया था और संगीत का विकास इन्हीं आदर्शों के अनुकूल किया था । उन्होंने संगीत और जीवन में किसी प्रकार की दीवार न खड़ी की । यह कहना अनुचित न होगा कि उन्होंने संगीत को हमारे जीवन में इस प्रकार बुन दिया कि सहस्राब्दियों के

पश्चात् भी वह उसका अविच्छिन्न अंग बना हुआ है । संसार में सम्भवत: ऐसा अन्य कोई देश नहीं है जहाँ संगीत इतने पुराने युग से जन-जीवन में इतना व्याप्त हो जितना कि भारत में । भारतवासियों के अधिक संगीतप्रेमी होने की बात का उल्लेख मैगस्थनीज भी कर गया है । दूसरी शताब्दी ई.पू. में लिखे गये 'इन्डिका' नामक अपने ग्रन्थ में एरियन मैगस्थनीज का यह कथन उद्धृत किया गया है कि "सब जातियों की अपेक्षा भारतीय लोग संगीत के कहीं अधिक प्रेमी हैं ।" सहस्रों वर्ष से हमारे घरेलू और सांसारिक जीवन में लगभग सभी काम किसी न किसी प्रकार के संगीत से आरम्भ होते रहे हैं । जन्म से लेकर मृत्यु तक यह संगीत हमारे साथ बना रहता है । जिस दिन बालक संसार में अपनी आँखें खोलता है, उस दिन से ही संगीत से भी उसका परिचय हो जाता है । नामकरण, कर्णछेदन, विवाह इत्यादि में तो संगीत होता ही है । ऐसा कोई तीज-त्यौहार नहीं होता, ऐसा कोई पर्व और संस्कार नहीं होता जिसमें संगीत न हो । घर में ही क्यों ? हमारे यहाँ खेत में और चौपाल में, चक्की चलाने और धान कूटने के समय भी संगीत चलता ही रहता है । यह हमारे जन-जीवन के उल्लास के प्रकट करने का तो प्रभावी साधन है ही साथ ही साथ उसको गतिमान बनाने का भी प्रबल अस्त्र है । संगीत रचनात्मक कार्यों में अग्रसर होने की सामूहिक स्फूर्ति और प्रेरणा प्रदान करता है और वह सामूहिक शक्ति देता है जो हमें उन कामों के करने के योग्य बना देती है जो अकेले या समूह में संगीत की प्रेरणा के बिना न कर पाते ।

(क) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

(ख) भारतीय संगीत में अन्य देशों के संगीतों की अपेक्षा क्या-क्या विशिष्टताएँ हैं ? **(2)**

(ग) भारतीयों की संगीतप्रियता का उल्लेख किस प्राचीन ग्रंथ में किया गया है ? उसमें क्या लिखा गया है ? **(2)**

(घ) कैसे कहा जा सकता है कि हमारे घरेलू जीवन में संगीत सदा व्याप्त रहा है ? उदाहरण दीजिए । **(2)**

(ङ) भारतीयों के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में संगीत की भूमिका को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **(2)**

(च) सामूहिक रचनात्मक कार्यों में संगीत का प्रभाव और महत्त्व समझाइए । **(2)**

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए – "भारतीय संगीत मानव को ब्रह्म तक ले जाने वाला मार्ग है ।" **(2)**

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए – **(1)**

आध्यात्मिक

(झ) मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए - **(1)**

जन्म से मृत्यु तक यह संगीत हमारे साथ बना रहता है ।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

बेटी गई है बाहर काम पर...
ओ हवाओ, उसे रास्ता देना
दूर तक फैली काली लकीर-सी वहशी सड़को,
तनिक अपनी कालिख समेटकर
उसे दुर्घटना से बचाना...

भीड़ भरी बसो,
तनिक उस पर ममता वारना
उसे इस या उस या उसके वाहियात स्पर्शों
और जंगली छेड़छाड़ से बचाना... ।

बेटी गई है बाहर काम पर...
दिशाओ, चुपके से उसके साथ हो लेना
और शाम ढले जब तक वह लौटकर आती नहीं है घर
खुद को सचेतन और पारदर्शी बनाए रखना...

दिल्ली शहर के शोर, धुएँ,
और भीड़ भरे कोलाहल,
थोड़ी देर को थम जाना
ताकि बेटी जो गई है बाहर काम पर
शाम को ठीक-ठाक, उत्फुल्ल मन घर लौटे

न हो मलिनता,
न चिड़चिड़ेपन का बोझ
उसकी कोमल आत्मा के गीले कैनवास पर... ।

(क) कवि को किसकी चिंता है और क्यों ?

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए –
 'खुद को सचेतन और पारदर्शी बनाए रखना'

(ग) काव्यांश में सड़कों को 'वहशी' क्यों कहा गया है ?

(घ) कवि बसों से क्या आग्रह कर रहा है और क्यों ?

(ङ) बेटी के उत्फुल्ल मन से घर लौटने के लिए कवि ने किससे क्या आग्रह किया है ?

खण्ड – ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

   (क) बढ़ती जनसंख्या की समस्या

   (ख) कर्म ही पूजा है ।

   (ग) साहित्य समाज का दर्पण

   (घ) मंगलयान – भारत की उपलब्धि

4. 'राज-टाइम्स' पत्र को अपने जयपुर संस्करण के लिए संवाददाताओं की आवश्यकता है । पत्रकारिता संबंधी अपनी काल्पनिक योग्यता, अनुभव और उपलब्धियों का विवरण देते हुए आवेदन-पत्र लिखिए । **5**

अथवा

'आश्रय' संस्था को घर-घर जाकर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के बारे में सर्वेक्षण कराने के लिए उत्साही नवयुवकों की आवश्यकता है । आप अपनी योग्यता और रुचियों का विवरण देते हुए उक्त संस्था के सचिव को पत्र लिखिए ।

5. दहेज के कारण महिलाओं पर प्राय: हो रहे अत्याचारों के विषय में एक आलेख लिखिए । **5**

अथवा

'यमुना सफ़ाई अभियान' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर दीजिए : **5**

   (क) इन्टरनेट पत्रकारिता क्या है ?

   (ख) फीचर की दो विशेषताएँ लिखिए ।

   (ग) 'इनडेप्थ रिपोर्ट' किसे कहा जाता है ?

   (घ) संपादक के मुख्य कर्त्तव्य क्या होते हैं ?

   (ङ) जनसंचार का सबसे पुराना माध्यम क्या है ?

खण्ड – ग

7. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

जैसे शमी वृक्ष के तने से टिककर
न पहचानने में पहचानते हुए विदुर ने धर्मराज को
निर्निमेष देखा था अंतिम बार
और उनमें से उनका आलोक धीरे-धीरे आगे बढ़कर
मिल गया था युधिष्ठिर में
सिर झुकाए निराश लौटते हैं हम
कि सत्य अंत तक कुछ नहीं बोला
हाँ हमने उसके आकार से निकलता वह प्रकाश पुंज देखा था ।

अथवा

सिंधु तर्यो उनको बनरा तुम पै धनुरेख गई न तरी ।
बाँधोई बाँधत सो न बन्यो उन वारिधि बाँधिकै बाट करी ।।
श्री रघुनाथ-प्रताप की बात तुम्हें दसकंठ न जानि परी ।
तेलनि तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराइ जरी ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) ‘देवसेना का गीत’ कविता में देवसेना की निराशा के कारणों पर प्रकाश डालिए ।

(ख) ‘दीप अकेला’ कविता के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए बताइए कि दीप को स्नेहभरा, मदमाता क्यों कहा गया है ?

(ग) भरत-राम प्रेम कविता में तुलसी ने राम के स्वभाव की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

9. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

यह समूचा दृश्य इतना साफ़ और सजीव है – अपनी स्वच्छ मांसलता में इतना संपूर्ण और शाश्वत कि एक क्षण के लिए विश्वास नहीं होता कि आने वाले वर्षों में सब कुछ मटियामेट हो जाएगा – झोंपड़ें, खेत, ढोर, आम के पेड़ सब एक गंदी आधुनिक औद्योगिक कॉलोनी की ईंटों के नीचे दब जाएगा - और ये हँसती-मुस्कुराती औरतें भोपाल, जबलपुर या बैढ़न की सड़कों पर पत्थर कूटती दिखायी देंगी । शायद कुछ वर्षों तक उनकी स्मृति में अपने गाँव की तस्वीर एक स्वप्न की तरह धुँधलाती रहेगी ।

अथवा

वे लोगों को प्राय: बनाया करते थे, इससे उनसे मिलने वाले लोग भी उन्हें बनाने की फिक्र में रहा करते थे । मिर्जापुर में पुरानी परिपाटी के एक बहुत ही प्रतिभाशाली कवि रहते थे – जिनका नाम था वामनाचार्य गिरि । एक दिन वे सड़क पर चौधरी साहब के ऊपर एक कविता जोड़ते चले जा रहे थे – अंतिम चरण रह गया था कि चौधरी साहब अपने बरामदे में कंधों पर बाल छिटकाए खंभे के सहारे दिखाई पड़े । चट्ट कवित्त पूरा हो गया जिसका अंतिम अंश था – "खंभा टेकि खड़ी जैसे नारि मुगलाने की ।"

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) हेम-कुंभ ले उषा सवेरे - भरती ढलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब जगकर रजनी भर तारा ।।

(ख) यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरै जहँ पाउ ।।

(ग) अधर लगे हैं आनि करिकै पयान प्रान,
चाहत चलन ये संदेसौ ले सुजान को ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'ढेले चुन लो' पाठ के आधार पर लिखिए कि वैदिक काल में वधू द्वारा मिट्टी के ढेले को छूने की क्या प्रथा थी ? आज के समाज में व्याप्त अन्य अंधविश्वासों को कैसे दूर किया जा सकता है ?

(ख) 'चार हाथ' पाठ के आधार पर लिखिए मज़दूरों को चार हाथ देने के लिए मिल मालिक ने क्या किया ? उसका क्या परिणाम निकला ? कथा का व्यंग्यार्थ भी स्पष्ट कीजिए ।

(ग) राम विलास शर्मा ने कवि की तुलना प्रजापति से क्यों की है ? स्पष्ट कीजिए ।

12. भीष्म साहनी **अथवा** निर्मल वर्मा के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **6**

अथवा

केशवदास **अथवा** रघुवीर सहाय के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषाशैली की दो प्रमुख विशेषताएँ, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड – घ

13. पर्यावरण के विनाश के क्या कारण हैं ? 'अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर स्पष्ट करते हुए बताइए कि आपके विचार से पर्यावरण को विनाश से बचाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं ? **5**

अथवा

" 'आरोहण' कहानी पर्वतीय अंचलों की पलायन जैसी समस्या को भी रेखांकित करती है ।" भूपसिंह और रूपसिंह के जीवन के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए और उन जीवन-मूल्यों का उल्लेख कीजिए जिन्हें भूपसिंह जैसे लोगों ने सँभालकर रखा है ।

14. (क) सूरदास राख के ढेर को दोनों हाथों से क्यों उड़ाने लगा ? पाठ के आधार पर सूरदास की मनोदशा का वर्णन कीजिए । **5**

(ख) 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूपसिंह और रूपसिंह के स्वभाव और परिस्थितियों के अंतर को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए । **5**